

जयपुर में लो कॉस्ट सेंसर नेटवर्क और मोबाइल ऐप लॉन्च

चर्चा में क्यों?

- 14 मार्च, 2022 को राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल की अध्यक्ष वीनू गुप्ता ने मंडल कार्यालय से जयपुर शहर में लो कॉस्ट सेंसर नेटवर्क और इसके मोबाइल ऐप को लॉन्च किया।

प्रमुख बंदि

- राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल तथा आईआईटी कानपुर के संयुक्त तत्वावधान में जयपुर शहर में 40 अलग-अलग स्थानों पर लो कॉस्ट सेंसरस स्थापति किये गए हैं।
- इन सेंसरस से न केवल शहर में प्रदूषण के हॉट स्पॉट के बारे में पता चलेगा, बल्कि उस स्थान वशिष पर प्रदूषण के कारणों की भी मॉनिटरिंग की जा सकेगी।
- इन सेंसरस के माध्यम से शहर की हवा की गुणवत्ता के बारे में बृहद् जानकारी मिलेगी, जिसके आधार पर अन्वेषण कर वायु प्रदूषण कम करने के लिये बेहतर योजनाएँ बनाई जा सकेंगी।
- इन सेंसरस से प्राप्त डाटा वेब पोर्टल और मोबाइल ऐप के माध्यम से आमजन को भी उपलब्ध होगा। इस डाटा को नयिमति रूप से संबंधित वभिगों को भी भेजा जाएगा, ताकि सभी के समन्वय से शहर में प्रदूषण नियंत्रण के लिये उपयुक्त नरिणय लिये जा सकें और दीर्घकालिक विकास के लक्ष्य को पूरा किया जा सके।
- जयपुर में 5 जगहों- यादगार, राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल कषेत्रीय कार्यालय वीकेआई, सचविालय, सांगानेर एयरपोर्ट तथा प्रदूषण नियंत्रण मंडल कार्यालय परसिर झालाना में सेंसरस के साथ डसिप्ले बोर्ड भी स्थापति किये जाएंगे। इन बोर्डस पर धूल कण, सूक्ष्म धूल कण एवं वायु गुणवत्ता सूचकांक आमजन के लिये प्रदर्शति किये जाएगा।
- ये सेंसरस कम लागत के होने के साथ-साथ आकार में छोटे तथा इन्स्टॉलेशन में आसान हैं। इनकी मॉनिटरिंग भी आसान होती है, जबकि मैन्यूअल स्टेशन आकार में बड़े होने के अलावा लागत में अधिक होते हैं तथा उनके संचालन एवं रखरखाव में भी अधिक सावधानी रखनी पड़ती है।
- उल्लेखनीय है कि आईआईटी कानपुर द्वारा एरकिंसन इंडिया के वतितीय सहयोग से लार्ज स्केल मल्टी सट्टि डेन्स अरबन आईओटी रीयल टाइम एयर क्वालिटि मॉनिटरिंग नेटवर्क इन इंडिया प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है। इसके तहत जयपुर के अतरिकित कन्याकुमारी, चेन्नई तथा गुवाहाटी में लो कॉस्ट सेंसरस लगाए गए हैं।